केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 348 शुक्रवार 12 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मंत्री ओपी राजभर ने बेदी राम समेत अपने ही चार विधायकों को बता दिया सपाई

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने अपने ही छह में से चार विधायकों को समाजवादी पार्टी का नेता बता दिया है। अपनी पार्टी के विधायक बेदी राम के पेपर लीक मामले में फंसने और उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने पर ओपी राजभर ने यहां तक कह दिया कि उनके चार विधायक असल में समाजवादी पार्टी से भेजे गए लोग हैं। उन्होंने विधायक बेदी राम, विधायक जगदीश नारायण, विधायक अब्बास अंसारी और विधायक दूधराम को अखिलेश यादव की तरफ से भेजे गए प्रत्याशी बताया। ओपी राजभर की पार्टी से यूपी में कुल छह विधायक हैं।

एक चैनल से बातचीत में ओपी राजभर ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान सुभासपा और सपा का गठबंधन हुआ था। इसमें सुभासपा को 17 सीटें दी गई थीं। कहा गया था कि 14 सीटों पर सपा के लोग चुनाव लड़ेंगे। इन्हें सुभासपा केवल सिंबल देगी, यही हुआ। सुभासपा ने केवल तीन सीटों संडीला, शिवपुर और जहूराबाद में अपने प्रत्याशी खड़े किए थे। संडीला में प्रदेश अध्यक्ष, शिवपुर में महासचिव और जहूराबाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष यानी मैं चुनाव मैदान में उतरा था। इसके अलावा अन्य सीटों पर सपा के प्रत्याशी थे।

राजभर ने कहा कि जौनपुर से विधायक जगदीश नारायण राय भले ही मेरी पार्टी से विधायक हैं लेकिन समाजवादी पार्टी की रसीद काट रहे हैं, गाड़ी पर सपा का झंडा और सपा की टोपी लगाकर घूम रहे हैं। इसी तरह मऊ में अब्बास अंसारी भी समाजवादी पार्टी से ही भेजे गए प्रत्याशी हैं। एमएसी चुनाव में जगदीश नारायण ने सपा के पक्ष में ही वोट भी दिया था। अब्बास भी बाहर होते तो सपा के पक्ष में वोट देते। कहा कि विधायक दूधराम और बेदी राम से पूछ लीजिए किस पार्टी के हैं। यह सारे लोग हमारे यहां भेजे गए प्रत्याशी हैं।

16 सड़कों के लिए मिला 10 करोड़ का बजट

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। लोक निर्माण विभाग को मंडल के 16 चालू कार्यों पर काम के लिए शासन से 10 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। विभिन्न मार्गों पर इस बजट से काम कराया जाना है। आरआईडीएफ योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024–25 में अनुदान संख्या–56 के अंतर्गत यह बजट जारी किया गया है। मंडल के तीनों जिलों में सर्वाधिक सिद्धार्थनगर के 12 व बस्ती और संतकबीरनगर के दो–दो प्रोजेक्ट के लिए धन स्वीकृत किया गया है। धन मिलने के बाद इस पर जल्द काम शुरू हो जाएगा।

शासन की ओर से जो कार्य स्वीकृत किए गए हैं उनमें सिद्धार्थनगर में रीवा नानकार सम्पर्क मार्ग से लच्छनपुर घुसवा सम्पर्क मार्ग, इंडोनेपाल बार्डर से रघुनाथपुर सम्पर्क मार्ग, एलडी किलोमीटर चार दुल्हा दरम्यानी मार्ग से लक्ष्मीजोत, भजनजोत होते हुए नरायनपुर सम्पर्क मार्ग, अलीगढ़वा ताल मझौली सम्पर्क मार्ग से बनकटवा सम्पर्क मार्ग, धोबहा बांकी सम्पर्क मार्ग से बांकी बंलगवा सम्पर्क मार्ग, जोगिया नादेवर से दत्तपुर होते हुए बकुरहवा सम्पर्क मार्ग, ककरही सम्पर्क मार्ग से महापरूआ सम्पर्क मार्ग, पीएमजीएसवाई निबिबहवा सम्पर्क मार्ग से तुलसीपुर होते हुए मल्लाडीह सम्पर्क मार्ग, ककरही टड़िया गायघाट मार्ग के किमी–9 से पचपेड़वा सम्पर्क मार्ग, सोहास लोटन से पोखर भिटवा होते हुए छोटे पोखरभिटवा सम्पर्क मार्ग, बनियाडीह कोल्हुआ सम्पर्क मार्ग, उसका सोहास मोहाना मार्ग के बलूरी चौराहे से गोर्खनपुर सम्पर्क मार्ग,

बस्ती में भिटहा से बेलरई सेमरा डड़वा लगुनी जूनियर हाईस्कूल तक मार्ग, बस्ती महसी महुली पगार गांव से जोगिया जयपुर तक नहर पटरी होते हुए सम्पर्क मार्ग, संतकबीरनगर में धायपोखर से केवटली मानपुर होते हुए अजाव सम्पर्क मार्ग, बीएमटीसी से महुआर होते हुए सुरेहा सम्पर्क मार्ग शामिल है।

राहुल मदेशिया अपहरण प्रकरण में पूर्व मंत्री अमरमणि की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। राहुल मदेशिया के अपहरण के मामले में भगोड़ा घोषित पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। एमपी–एमएलए कोर्ट ने तीन जुलाई को डाली गई अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अमरमणि त्रिपाठी के वकील ने तीन जुलाई 2024 को अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। जमानत अर्जी में वकील ने लिखा था, अमरमणि को परेशान करने के लिए फंसाया गया है। वह एफआईआर में नामजद अभियुक्त नहीं है। विवेचना में अन्य के साथ सहअभियुक्त में नाम बढ़ा दिया गया है। इस मामले में 19 दिसम्बर 2001 को लखनऊ में उनकी गिरफ्तारी हुई। ट्रांजिट रिमांड पर बस्ती न्यायालय में 21 दिसम्बर 2001 को पेश किया गया था। वकील ने लिखा था कि एक फरवरी 2002 को जमानत पर रिहा होने का आदेश हुआ था।

दूसरे केस में वह 20 वर्षों तक कारागार में निरुद्ध थे। इस समय

भी वह बीमार चल रहे हैं और डॉक्टर की निगरानी में हैं। मुकदमे के वादी की मृत्यु हो चुकी है। राहुल ने स्वयं सुलहनामा दाखिल किया है कि अपहरण में अमरमणि की कोई भूमिका नहीं है। प्रार्थी के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट न्यायालय से जारी है। गिरफ्तार होने की आशंका है। इसलिए अग्रिम जमानत पर रिहा करने की कोर्ट से अपील है। कोर्ट ने वकील की दलीलों को सुनने के बाद फैसले को सुरक्षित कर लिया था। गुरुवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

अमरमणि की लखनऊ में दो और संपत्तियां मिलने की बात सामने आई। इन संपत्तियों की कुर्की के लिए पुलिस ने कमिश्नरेट लखनऊ के एसडीएम से पत्राचार किया है। इसका हलफनामा विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए कोर्ट में दिया है। विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम प्रमोद कुमार गिरि की अदालत में सुनवाई के दौरान बस्ती पुलिस ने हलफनामा दिया है। कहा है कि अमरमणि की लखनऊ स्थिति संपत्तियों की कुर्की के लिए पत्राचार किया गया है।

बाढ़ कार्यों में लापरवाही पर दस अफसरों से जवाब तलब, बड़ी कार्रवाई की तैयारी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही और खराब हुई फसलों के सर्वे में लापरवाही बरतने वाले पांच जिलों के एडीएम एएआर और आपदा विशेषज्ञों से स्पष्टीकरण तलब किया है। इन पांचों जिलों के लापरवाह अधिकारियों को दो दिन में अपना स्पष्टीकरण देना होगा। बताया जा रहा है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो सीएम योगी सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित इलाकों की रोजाना अपेडट ले रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को राहत कार्यों से संबंधित दिशा–निर्देश दे रहे हैं ताकि जनहानि–धनहानि को कम से कम किया जा सके।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनऊ, प्रतापगढ़, सीतापुर, अंबेडकरनगर और बलिया के एडीएम एएआर और आपदा विशेषज्ञ द्वारा बाढ़ संबंधी सूचना ससमय उपलब्ध न कराने एवं क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही की सूचना मिली। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए लापरवाह पांचों जिलों के एडीएम एएआर और आपदा विशेषज्ञ को स्पष्टीकरण सौंपने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने इन सभी को दो दिन में स्पष्टीकरण मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

राहत आयुक्त ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर लखनऊ के एडीएम एएआर राकेश सिंह, आपदा विशेषज्ञ अमर सिंह, प्रतापगढ़ के एडीएम एएआर त्रिभुवन विश्वकर्मा, आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी, अंबेडकरनगर के एडीएम एएआर सदानंद गुप्ता, आपदा विशेषज्ञ सूर्यमान सिंह को नोटिस जारी की गयी है। इसके अलावा बाढ़ संबंधी कार्यों में शिथिलता बरतने पर सीतापुर के एडीएम एएआर नितीश कुमार सिंह, आपदा विशेषज्ञ हीरालाल और बलिया के एडीएम एएआर देवेंद्र प्रताप सिंह, आपदा विशेषज्ञ पियुष कुमार सिंह को नोटिस जारी की गयी है।

राहत आयुक्त ने बताया कि सभी पांच जिलों के एडीएम एएआर और आपदा विशेषज्ञों को दो दिन में अपना जवाब देना होगा। इसके बाद उनके जवाब को मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जाएगा। जानकारों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अगर लापरवाह आधिकारियों के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

विधायक अजय सिंह ने बाढ़ पीड़ितों में किया राहत सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरयू नदी की बाढ़ से घिरे दुबौलिया क्षेत्र के सुविकाबाबू और टेढ़वा गांव के 120 परिवारों को हरैया विधायक अजय सिंह ने गुरुवार को बाढ़ राहत सामग्री बांटी। विधायक ने तहसील प्रशासन के साथ बाढ़ पीड़ितों में लाई, आलू, आटा, तेल, माचिस, चावल, चना, पानी रखने का डिब्बा सहित अन्य रोजमर्रा की जरूरी सामानों का वितरण किया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि प्राकृतिक आपदा रोकी नहीं जा सकती है बल्कि तत्परता दिखाकर हानि कम की जा सकती है हमारी सरकार ने प्रयास किया है कि सभी तक राहत सामग्री समय से पहुंचे। इसमें शासन प्रशासन के लोग लगे हुए हैं। हम लोग बाढ़ पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रख रहे हैं और कैंप स्थापित किया जा रहा है।

सामग्री वितरण के दौरान तहसीलदार अभय राज, नायब तहसीलदार शौकत अली, ऋषभ सिंह, हल्का लेखपाल अशोक पटेल, अवधेश कुमार, ग्राम प्रधान श्री राम सिंह, अखिलेश सिंह, सुरेश सिंह, बब्बू सिंह, अजय सिंह, अखिलेंद्र सिंह, विशाल सिंह, राघवेन्द्र सिंह, गुलशन राजभर, अर्जुन पासवान, भारत सिंह, निर्मल सिंह, रंजन सिंह, दीपक, समीर चौहान आदि उपस्थित रहे।

17 चिकित्साधिकारी बर्खास्त

लखनऊ (आभा)। बिना सूचना ड्यूटी से लंबे समय तक गैरहाजिर रहने वाले विभिन्न जिलों के 17 चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन चिकित्साधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिए थे। साथ ही तीन चिकित्साधिकारियों पर अनुशासनिक कार्रवाई भी की गई है। डिप्टी सीएम का कहना है कि चिकित्सकीय सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले किसी भी चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किए जाने के लिए सेवाओं में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। लापरवाह स्वास्थ्यकर्मियों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को लंबे समय से चिकित्सकीय सेवाओं से गैरहाजिर रहने वाले 17 चिकित्सकों को डब्लूटी से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्देव, मथुरा के चिकित्साधिकारी डा. आनंद गोयल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सब सेंटर मोहनकोला,

सिद्धार्थनगर की चिकित्साधिकारी डा. नेहा सिंह, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर बस्ती की चिकित्साधिकारी डा. निक्की, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमीन फरेंदा आजमगढ़ की चिकित्साधिकारी डा. ईशा सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा शामिल हैं।

इसके अलावा सिद्धार्थनगर की चिकित्साधिकारी डा. पारुल वर्मा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होलीपुरा, बाह आगरा की चिकित्साधिकारी डा. कृतिका, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहारन, आगरा की चिकित्साधिकारी डा. सुनाक्षी सेठ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सब सेंटर बेतिया, सिद्धार्थनगर के चिकित्साधिकारी डा. रजनीश चौधरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुरली छपरा, बलिया के चिकित्साधिकारी डा. राहुल कुमार, अधीन मुख्य चिकित्साधिकारी बलिया डा. जैन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी, जालौन के चिकित्साधिकारी डा. सत्येंद्र पुरवार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बमटापुर (बरनाहाल) को बर्खास्त किया गया है।

मैनपुरी की चिकित्साधिकारी डा. अंजली वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औछा, मैनपुरी की चिकित्साधिकारी डा. स्वाति कुशवाहा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मडिडान, मिर्जापुर के चिकित्साधिकारी डा. अखलाक अहमद, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजीपुरा, बरेली की चिकित्साधिकारी डा. रुबी जायसवाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसराना फिरोजाबाद की चिकित्साधिकारी डा. सरिता पांडेय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हथौली जयसिंहपुर, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डा. मनीष मगन पर कार्रवाई की गई है। तीन चिकित्सकों पर अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश भी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दिए हैं। मंडलीय अपर निदेशकों को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनमें जिला चिकित्सालय, झांसी के अस्थि रोग विशेषज्ञ डा. मुकुल मिश्रा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर, बाराबंकी में तैनात नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. माधवी सिंह एवं मुख्य चिकित्साधिकारी, बरेली के अधीन डा. प्रमोद कुमार शामिल हैं।

आशा कार्यकत्रियों ने सौंपा ज्ञापनः महत्वपूर्ण कार्यों के लिये भुगतान की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को आल इण्डिया आशा अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय के नेतृत्व में आशा कार्यकत्रियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि दस्तक अभियान, संचारी रोग नियंत्रण अभियान 'डाट', टी.वी. खोज अभियान, डायरिया नियंत्रण, बाल स्वास्थ्य पोषण माह, आयुष्मान कार्ड जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के बदले उन्हें भुगतान दिलाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय ने बताया कि आशाओं को कोई वेतन, मानदेय नहीं दिया जाता है केवल कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि ही दी जाती है। वो कब और कितना मिलना है कोई पता नहीं रहता। प्रोत्साहन राशि देने में भी मनमानी की जाती है। दस्तक अभियान, संचारी रोग नियंत्रण अभियान, (डाट) टीवी खोज अभियान, डायरिया नियंत्रण, बाल स्वास्थ्य पोषण माह, आईडी और आयुष्मान कार्ड निःशुल्क कराये जाते है और इसका किसी भी प्रकार का कोई भुगतान देय नहीं होता। सरकार द्वारा निर्धारित मनरेगा मजदूरी भी 237 रु. है जो कि एक अनट्रेड लेवर होते हैं। तो क्या प्रशिक्षण लेकर समाज को स्वस्थ रखने वाली आशा इसकी भी हकदार नहीं हैं।

दस्तक एवं संचारी अभियान 11 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 जुलाई तक चलेगा यानी 21 दिन आशाओं को बिना पैसे के कार्य करना है। आशा कार्य से पीछे नहीं है लेकिन उनको कार्य का पारिश्रमिक मिलना चाहिए। एक सप्ताह के अंदर दस्तक एवं संचारी अभियान आभा, आयुष्मान जैसे फ्री कार्यों जाने वाले कार्यों पर सरकार भुगतान पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें तभी दस्तक एवं संचारी जैसे कार्य होंगे अन्यथा आशाये कार्य नहीं करेंगी। कार्य न होने पर सरकार स्वयं जिम्मेदार होगी। कहा कि एक तरफ भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार महिला कल्याण पर अच्छा खासा बजट खर्च कर उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बना रही है और दूसरी तरफ हम महिला श्रमिकों को काम का दाम भी नहीं मिल रहा है। ये कौन सा महिला सशक्तिकरण है।

ये हम लोगों के साथ कौन सा न्याय है।

ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय महासचिव शैलेन्द्री श्रीवास्तवा, उपाध्यक्ष अनुसुईया तिवारी, किरन मिश्रा, सिया बारी, अर्चना ओझा, नीर सिंह, विजय लक्ष्मी, उमा सिंह, नीतू सिंह, आकांक्षी पाण्डेय, उमा सिंह, रेखा, सुशीला, कृष्णावती, शीलू सिंह, दीपिका, बबिता, सावित्री देवी, स्नेह लता माया देवी ज्ञानमती मीना देवी शर्मिला देवी सीमा देवी विमला दुबे, सोनम सिंह, गीता सिंह, संगीतादेवी, राधिका देवी, अमरावती, सविता सिंह, मालती पण्डिय, चन्द्रावती, पूनम, इसरावती चौधरी, दीपमाला, पूनम सिंह, कैसरजहां, शारदा, रेखा, निर्मला तिवारी के साथ ही बड़ी संख्य में आशा कार्यकत्रियां शामिल रहीं।

ऑन लाइन हाजिरी, शिक्षक समस्याओं के निस्तारण के लिये मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों ने जिलाधिकारी द्वारा नामित उप जिलाधिकारी सदर को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन भेजा। मांग किया कि ऑन लाइन डिजिटलाइजेशन के निर्णय को वापस लिये जाने के साथ ही शिक्षक समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जाय।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि ज्ञापन देने के पूर्व संघ के जिला और क्षेत्रीय कार्य समिति पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें ऑन लाइन हाजिरी के साथ ही शिक्षकों के अन्य समस्याओं पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि जब तक ऑन लाइन डिजिटलाइजेशन का निर्णय सरकार वापस नहीं लेती प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालय की पंजीकाओं का डिजिटलाइजेशन व

–डिजिटलाइजेशन के निर्णय को वापस ले सरकार– उदयशंकर शुक्ल

डिजिटल (डिजिटल फेस छायांकन) उपस्थिति कराए जाने संबंधी निर्देश को निरस्त किया जाय। इसी कम में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं को हॉफ सी०एल० की सुविधा दिये जाने, 30 ई०एल० की सुविधा देने, कैशलेस चिकित्सा सुविधा (बिना प्रीमियम) दियो जाने, परिषदीय शिक्षक, शिक्षिकाओं का ससमय स्थानानतरंण, पदोन्निति किये जाने, वेतन विसंगति समस्या का निराकरण करने, परिषदीय विद्यालयों में लिपिक की नियुक्ति करने, परिषदीय विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति करने, परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त किये जाने, शिक्षक, शिक्षिकाओं के जनपद स्तर की समस्याओं को निस्तारित किये जाने आदि की मांग शामिल है।

बैठक और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव के साथ ही देवेन्द्र वर्मा, इन्द्रसेन मिश्र, रामभरत वर्मा, सन्तोष शुक्ल, रजनीश मिश्र, चन्द्रभान चौरसिया, दिवाकर सिंह, आनन्द सिंह, शशिकान्त धर द्विवेदी, सन्तोष शुक्ल, रवीश मिश्र, विवेककान्त पाण्डेय, ओम प्रकाश, अखिलेश चौधरी, कृष्ण कुमार उर्फ गुड्डू चौधरी, फैजान अहमद, चन्द्रशेखर शर्मा, गिरजेश चौधरी, रमेश चौधरी, पटेश्वरी निषाद, विनोद यादव, अनिल सिंह, धर्मेन्द्र उपाध्याय, शोभित श्रीवास्तव, अजय भारती, राजेश चौधरी, आशुतोष पाण्डेय, बब्बन पाण्डेय, रमेश विश्वकर्मा, चन्द्रशेखर पाण्डेय, अभिषेक जायसवाल, मारुफ खान, गिरिजाशंकर चौधरी, अश्विनी पाण्डेय, मुक्तिनाथ वर्मा, रामपराग चौधरी, लालता प्रसाद, राघवेन्द्र उपाध्याय, पवन कुमार मिश्र, दीपक सिंह, विजेन्द्र वर्मा, दीपक प्रेमी, सत्य प्रकाश मौर्य, रीता शुक्ला, सरिता पाण्डेय, रेखा वर्मा के साथ ही अनेक शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श पर्यावरण रक्षा के लिये लगाये पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा दिल्ली सीनियर पब्लिक स्कूल पचपेड़िया रोड निकट अर्चना हॉस्पिटल पर बढ़ती जनसंख्या के कारण 'पर्यावरण पर होने वाले कुप्रभाव' विषयक गोष्ठी के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में विश्व जनसंख्या 2024 की थीम 'किसी को पीछे ना छोड़े, सब की गिनती करें' विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

स्कूल की छात्रा स्तुति गुप्ता, समृद्धि तिवारी ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित न करने के कारण बढ़ती गर्मी, अचानक मौसम में परिवर्तन कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं। सोनाक्षी पाण्डे, समृद्धि तिवारी, श्वेता चौधरी, आयुष, आर्य, संकल्प चौधरी आदि बच्चों द्वारा हरे पेड़ों को ना काटने, पेड़ों को संरक्षित करके विषय पर नाटक का मंचन किया गया।

सचिव एल.के. पाण्डेय ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, रोजगार कई क्षेत्रों में प्रगति के बाद भी सभी लोगों को सुविधा नहीं मिल रही है। बढ़ती जनसंख्या पर्यावरण के लिए एक समस्या बन गई है। शहरों में बढ़ती हुई जनसंख्या के फलस्वरूप तंग

मलिन बस्तियों का जाल बिछता जा रहा है। इससे पेय जल, भोजन, रोजगार के निपटारे आदि की समस्याएं बढ़ रही हैं।

कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन अमरमणि पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जन्मदिन विवाह या किसी अन्य अवसरों पर पेड़ जरूर लगाने चाहिये। समय पर वर्षा का न होना, भंयकर बाढ़, भूकंप, महामारी आदि प्राकृतिक आपदाओं का कारण पर्यावरण का प्रदूषित हो जाना है। इससे मनुष्य में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। हम सभी को अपने विशेष अवसरों पर पौधा रोपण जरूर शुरु करना चाहिए जिससे हम आने वाले भारत को बेहतर पर्यावरण दे सकें।

इस अवसर पर आम, नीम, आंवला, अशोक, हरसिंगार आदि पौधों का बच्चों के साथ पौधारोपण किया गया। साथ ही इन पौधों की जिम्मेदारी बच्चों को दी गई।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन वार्मिक मिराज ने कहा की क्लब के द्वारा जनहित एवं सामाजिक कई कार्य किए जा रहे हैं जो निरंतर जारी रहेंगे।

इस अवसर पर अर्चना हॉस्पिटल की डायरेक्टर श्रीमती अर्चना पाण्डेय, रोटेरियन दिलीप कुमार गुप्ता, डॉक्टर कलीमुल्लाह, आशीष वाधवानी, सेवा ब्लड केंद्र के डायरेक्टर रोटेरियन मनीष सिंह, सैनिक चंद्र भूषण सिंह, चार्ट अध्यक्ष रोटेरियन मुनीरुद्दीन अहमद,शिक्षक दिव्या पाठक, नीलम चौधरी, लक्ष्मी वर्मा, अविनाश, प्रिया शुक्ला, राम आशीष, रिया सिंह तथा अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 जुलाई 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

मणिपुर संकट के यक्ष प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले दशक के शासन की एक उल्लेखनीय विशेषता राजनीतिक विरोधियों और मीडिया द्वारा किसी भी सवाल का तिरस्कार करना और बिना कोई औचित्य पेश किए कुछ निश्चित रुख अपनाना था। इसने बिना कोई स्पष्टीकरण या औचित्य पेश किए कुछ मुद्दों पर अहंकारी और अडियल रुख अपनाया था। ऐसा ही एक मुद्दा उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर से जुड़ा है। यह छोटा राज्य एक साल से अधिक समय से जल रहा है, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग घायल हो गए, लेकिन केंद्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की बजाय, जिसका पूर्वाग्रह स्पष्ट से अधिक रहा है, विपक्षी दलों, विशेषज्ञों और मीडिया के बार–बार कहने के बावजूद केंद्र सरकार राज्य में विस्फोटक स्थिति की उपेक्षा कर रही है।

मोदी मणिपुर के निवासियों के घावों पर मरहम लगाने के लिए राज्य का दौरा नहीं करने पर अड़े हुए थे। उन्होंने कई पड़ोसी राज्यों का दौरा किया लेकिन मणिपुर से दूर रहे। इतना ही नहीं, उन्होंने संसद के भीतर और बाहर राज्य के घटनाक्रम पर पूरी तरह चुप्पी बनाए रखी और हिंसा की निंदा भी नहीं की। हाल के लोकसभा चुनावों के बाद संसद में अपने पहले भाषण के दौरान उन्होंने राज्य की स्थिति का पहला उल्लेख किया। हालांकि यह पर्याप्त नहीं है और उन्हें राज्य के दौरे के साथ–साथ स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफलता के लिए मणिपुर में भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की घोषणा करनी चाहिए थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैतेई और कुकी–नागा आदिवासियों के बीच प्रतिद्वंद्विता और तनाव का एक लंबा इतिहास रहा है। मणिपुर में दो प्रमुख समुदायों के सदस्यों के बीच झड़पें हुई हैं लेकिन मौजूदा संकट का कोई सानी नहीं है।

राज्य सरकार को मैतेइयों को आदिवासी दर्जा प्रदान करने के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद इसकी शुरूआत हुई थी। आदिवासियों को डर था कि अगर मैतेइयों को भी अनुसूचित जनजाति घोषित कर दिया गया तो उनके लिए आरक्षण कम हो जाएगा।राज्य के अधिकांश हिस्से समय–समय पर कर्फ्यू में रहते हैं और इंटरनैट सुविधाएं लंबे समय तक बंद रहती हैं। दोनों समुदायों के हजारों निवासी राहत शिविरों में रह रहे हैं और अपने घर वापस जाने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और आर्थिक गतिविधियां रुकी हुई हैं। नागा बहुल इलाकों में राज्य को जोडने वाले मुख्य राजमार्ग पर 'आध्थक नाकेबंदी' के कारण खाद्यान्न और पैट्रोलियम उत्पादों सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो गई है। मुख्यमंत्री, जो बहुसंख्यक मैतेई समुदाय से हैं, जो कुकी—नागा आदिवासियों के साथ हिसक झड़पों में शामिल है, अल्पसंख्यक समुदाय के बीच विश्वास पैदा नहीं करते हैं। आदर्श रूप से उन्हें बहुत पहले ही हटा दिया जाना चाहिए था और किसी तटस्थ और सभी वर्गों द्वारा सम्मानित माने जाने वाले व्यक्ति को उनकी जगह लेनी चाहिए थी। ऐसी स्थिति निश्चित रूप से कानून और व्यवस्था को बहाल करने के लिए एक मजबूत राज्यपाल की नियुक्ति के साथ केंद्रीय शासन लागू करना उचित होगा। मोदी सरकार, जो गैर—भाजपा दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के खिलाफ आक्रामक रही है, मणिपुर में अपनी ही अक्षम सरकार के साथ बच्चों जैसा व्यवहार कर रही है। इन दावों में कुछ सच्चाई हो सकती है कि म्यांमार और चीन समस्या पैदा कर सकते हैं, लेकिन हिंसा रोकने में राज्य की ओर से पूरी विफलता के लिए यह कोई बहाना नहीं है।

विडंबना यह है कि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के वरिष्ठ पत्रकारों की एक टीम, जिसने स्थिति का अध्ययन करने के लिए राज्य का दौरा किया था, पर उपद्रव फैलाने का मामला दर्ज किया गया था!विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा एक स्वागत योग्य घटना है, लेकिन राज्य के प्रभावित निवासियों को अधिक आश्वस्त महसूस होगा यदि प्रधान मंत्री स्वयं उनसे मिलने जाएं और बीरेन सिंह सरकार को बर्खास्त करने का आदेश दें। राज्यपाल को क्षेत्र के विशेषज्ञों के सहयोग से मणिपुर में मौजूदा गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने की कोशिश करनी चाहिए।

आकड़ो में नहीं, दिल से करें सरकारी पौधरोपण

—मनोज सिंह—

समाज में कुछ ऐसे कार्य होते हैं जिनका धार्मिक और सामाजिक महत्व होता है वृक्षारोपण ऐसा कार्य है जिसका धार्मिक महत्व भी है और सामाजिक भी तथा आने वाले सुनहरे कल की उम्मीद । हर साल धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है इस पर काबू पाने का एकमात्र सबसे बड़ा तरीका अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके धरती के तापमान को काम किया जा सकता है साथ ही प्रदुषण को कम करके , इस सिलसिले में देश के विभिन्न प्रदेशों की सरकारें अपने स्तर से हर संभव प्रयास कर रही हैं वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ भी उत्तर प्रदेश के हर जनपद में करोड़ों पेड़ से अधिक लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं लेकिन यह सफल तभी होगा जब समाज के हर वह जिम्मेदार लोग ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे जिनके कंधों पर इस सरकारी वृक्षारोपण की जिम्मेदारी है साथ ही समाज के लोगों की भी जिम्मेदारी बनती है की जो पेड़ गांव में लगाए जाएं उसकी देखभाल हम सभी लोग मिलकर करें तथा समाज के सामाजिक लोगों को भी सरकार के इस गांव गांव वृक्षारोपण अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी भागीदारी निभाना चाहिए ताकि हम सभी लोगों के बच्चे आने वाले कल में सुकून का जीवन जी सकें ।

वर्तमान समय में वृक्षारोपण भले ही सरकारी अभियान हो लेकिन सच यह है की वृक्षारोपण हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए लाइफ लाइन और वरदान तथा सुनहरा भविष्य है आमतौर पर सरकारी कार्यों और अभियानों का क्या हश्र होता है यह किसी से छुपा नहीं है किंतु अगर वृक्षारोपण भी जमीनी हकीकत की जगह कागजी आंकड़ों की खानापूर्ति के लिए जिस समाज में किया जाएगा उस समाज के लोग अपने आने वाली पीढ़ियों और समाज के साथ विश्वास घाती के रूप में जाने जायेंगे ।

हमारे पूर्वजों ने बहुत बड़े–बड़े बागीचे हम लोगों को सौंप कर गए थे और हम लोगों ने क्षणिक लाभ के लिए या थोड़े से स्वार्थ के लिए उन बगीचों का क्या हाल किया यह किसी से छुपा नहीं, वर्तमान समय में तमाम बगीचे वीरान हो गए हैं केवल वही बड़े बाग बचे हुए हैं जो किसी राजा, रानी या उस क्षेत्र के सामाजिक बड़े लोगों के बागीचे है वो बचें हुए हैं उन गांव के बगीचे वीरान हो गए हैं जो सामूहिक रूप से गांव के लोगों का था ।

हम सभी लोगों को मिलकर चिंतन करना होगा की एक तरफ हमारे पूर्वजों ने अपने परिश्रम से हरे भरे बागीचे दिए थे उस समय संभवतः सरकारें पेड़ नहीं वितरित करती थीं फिर भी हमारे बुजुर्गों ने अपने संसाधनों और परिश्रम करके जो हरे भरे पेड़ दिए गए थे उसको तो हम सभी लोगों ने मिलकर बर्बाद किया है लेकिन आने वाले कल में हम अपने बच्चों को प्रकृति का कौन सा उपहार देकर जाएंगे कभी इस बात पर चिंतन जरूर करना चाहिए

वृक्षारोपण राष्ट्रीय हित और सामाजिक हित दोनों है इस पुनीत कार्य के लिए अगर एक तरफ सरकारी संस्थाएं और गांव के जनप्रतिनिधि दूसरी तरफ समाज के सामाजिक लोग मिलकर प्रयास करें तो मंत्र दो से तीन सालों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा ।

एक और एक मिलकर गणित में दो होते हैं लेकिन समाज में यदि दो लोग मिलते हैं तो एक और एक ग्यारह हो जाते हैं यदि सरकारी व्यक्ति, राजनीतिक व्यक्ति और सामाजिक व्यक्ति एक साथ खड़े हो जाए किसी सामाजिक कार्य को करने के लिए तो उनकी ताकत ष्एक सौ ग्यारहष् हो जायेगी और उसका परिणाम जमीन पर दिखाई पड़ने लगेगा।

प्राचीन काल में बहुत से ऐसे लोग हुए जो सैकड़ो और हजारों हाथियों का बल रखते थे लेकिन वर्तमान दौर में हजारों ऐसे व्यवसायिक,सामाजिक लोग हैं जो हजारों और लाखों पेड़ों को लगवाने की ताकत रखते हैं । 15 अगस्त 2015 को उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद के हीरा व्यवसायी समाजसेवी दया शंकर पटवा जी से वृक्षारोपण के लिए विचार विमर्श किया गया जिसके चलते उस समय दस हजार फलदार पौधा मंगाकर सात हजार पौधे बस्ती क्षेत्र के स्कूलों में वितरण किया गया तथा 3000 पौधे समाजसेवी रमाकांत पांडे के संयोजन में गौर क्षेत्र में वितरण हुआ था और उसका सकारात्मक परिणाम क्षेत्र के लोगों मिला । सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए हम सभी लोगों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है

नये मोड़ पर भारत–रूस मित्रता

—ललित गर्ग—

भारत–रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन–रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग–थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत–रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री–मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेशों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दर्शाना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश 'ईर्ष्या से जल रहे हैं', परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है।

यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैच्योरपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पुतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम–बंदूक के बजाय शांति–वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। मोदी ने साहस एवं निर्भयता से पुतिन को दो टूक कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के मौके पर ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल को भी निशाना बनाया, इसलिए उन्होंने बिना किसी संकोच यह भी कह दिया कि युद्ध या संघर्ष अथवा आतंकी हमलों में जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं, लेकिन भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता जारी रखते हुए यह स्पष्ट करते रहना होगा कि वह रूस–यूक्रेन युद्ध को यथाशीघ्र समाप्त होते हुए देखना चाहता है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के भी हित में है। इसी के साथ भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद–पानी मुहैया कराने का काम करता है।

रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सफल कूटनीति के एक उत्तम उदाहरण के रूप में याद रखी जाएगी। भारतीय हितों की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व मानवता की बात करना इसी रणनीति का हिस्सा था। अन्य पहलू है, इस द्विपक्षीय रिश्ते में कौन–कौन से नए क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं, ताकि यह संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके। विज्ञान–प्रौद्योगिकी और 'पीपुल–टु–पीपुल कॉन्टैक्ट' यानी आम लोगों के स्तर पर आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने पर रजामंदी को इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से आने वाली दिक्कतों को दूर करना। भुगतान की टिकाऊ व्यवस्था पर जोर इसकी एक बानगी है। अच्छी बात यह भी रही कि ईंधन के मामले में भारत को स्थिरता प्रदान करने में रूसी योगदान की प्रधानमंत्री मोदी ने खुलकर सराहना की, जो उचित भी था, क्योंकि अब हम खाड़ी देशों के बजाय सबसे अधिक तेल रूस से ही आयात करने लगे हैं।

भारत–रूस की मैत्री का व्यापक महत्व है। यह पुराना मित्र देश का भारत की ताकत रहा है, मार्गदर्शक रहा है, हर सुख–दुःख का साथी रहा है। नेहरु युग से ही भारत–रूस के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं। दोनों देशों की संस्कृति, संगीत, कला, साहित्य के बीच भी गहरा आत्मीय लगाव रहा है। भारतीय फिल्में रूस में बड़े चाव से देखी जाती रही है। कश्मीर के मसले पर भारत जब–जब अलग–थलग पड़ता रहा, तब तब रूस ने भारत का साथ दिया। 1955 में रूस के राष्ट्रपति निकिता ख्रुश्चेव ने कश्मीर पर भारतीय संप्रभुता के लिए समर्थन की घोषणा करते हुए कहा था, 'हम इतने करीब हैं कि अगर आप कभी हमें पहाड़ की चोटियों से बुलाएंगे तो हम आपके पक्ष में खड़े होंगे।' आश्वासन सिर्फ मुंहजबानी नहीं था बल्कि सोवियत संघ ने 1957, 1962 और 1971 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों को वीटो कर दिया था, जिसमें कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की बात कही गई थी। भारत–पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान भी जब पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका भारत पर लगभग आक्रमण करने ही वाला था, तब रूस द्वारा भारत के पक्ष में भेजी गई सैन्य सहायता ने ही अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर किया था। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी रूस का अनूठा योगदान रहा है। रूस ने ही भारत को सैन्य हथियारों व अन्य साजोसामान की आपूर्ति करके अपने दुश्मनों का सफलतापूर्वक सामना करने में समर्थ बनाया है। ऐसे भरोसेमंद देश के साथ जब बीच के दौर में आर्थिक कारणों व वैश्विक दबावों के चलते दूरी आने लगी थी तो दोनों ही देशों की जनता ने मांग उठायी कि ऐसे विश्वसनीय सहयोगी को खोना उचित नहीं होगा। मोदी की यात्रा से भारत–रूस संबंधों एवं मित्रता की नई इबारत लिखी गयी है, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सुखद होने वाले हैं।

परजीवी राजनीति

—राज कुमार सिंह—

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को एक नया नाम दिया 'परजीवी'। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणामों के हवाले से मोदी ने बताया कि कांग्रेस अपने बल पर नहीं, बल्कि सहयोगी दलों के दम पर आगे बढ़ी है। बेशक इन चुनावों में कांग्रेस 52 से 99 सीटों तक पहुंची, तो उसमें 'इंडिया' गठबंधन के घटकों के बीच तालमेल का बड़ा योगदान है। जिस उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पिछली बार रायबरेली की सीट पर सिमट गई थी, समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर लड़ी 8 सीटों में से 5 जीत गई। गठबंधन किए ही परस्पर लाभ के गणित के आधार पर जाते हैं। परस्पर स्वार्थ पर बने रिश्ते तभी तक चल पाते हैं, जब तक दोनों का स्वार्थ सिद्ध होता है। यह भी सच है कि अक्सर बड़े दल छोटे दलों को निगल जाते हैं, वर्ना कमजोर अवश्य करते हैं। इस मामले में कोई भी राष्ट्रीय दल अपवाद नहीं।

चुनाव के तुरंत बाद पुराने रिश्ते तोड़ नए रिश्ते बनाने के उदाहरण भी हैं। अब भाजपानीत राजग में भाजपा के बाद जो तेलुगू देशम पार्टी दूसरा बड़ा दल है, वह कभी तेलुगू सिनेमा के सुपर स्टार एन.टी. रामाराव ने बनाई थी। जनता के जबरदस्त समर्थन से वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बने। एन.टी.आर. के निधन के बाद दामाद चंद्रबाबू नायडू पर तेदेपा पर कब्जा करने के आरोप लगे और उनकी विधवा लक्ष्मी पार्वती ने अलग एन.टी.आर. तेदेपा बना ली। 1998 के चुनाव भाजपा ने उसी एन.टी.आर. तेदेपा से गठबंधन कर लड़े थे, लेकिन जब परिणाम चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा के पक्ष में गए तो पुराना रिश्ता तोड़ नया रिश्ता बनाने में देर नहीं लगाई क्योंकि गठबंधन का मकसद आंध्र प्रदेश में अपने पैर जमाना था। नायडू से भाजपा की दोस्ती लंबी चली।

अहं के टकराव के चलते बीच में टूटी तो राजनीतिक जरूरतों ने फिर साथ ला दिया। अब दोनों ही रिश्ते में जैसी गर्मजोशी दिखा रहे हैं, उसे देख कर कोई विश्वास नहीं कर सकता कि 2018 के बाद ये ही परस्पर आरोप–प्रत्यारोप में न्यूनतम शिष्टाचार की भी सीमाएं लांघ गए थे। दरअसल राजनीति, अब 'राज' की 'नीति' भर बन कर रह गई है। राज जैसे भी मिले और फिर बना रहे इसी उद्देश्य से तमाम राजनीतिक कवायद की जाती है। बिहार का उदाहरण भी देख लीजिए। 1996 में जब भाजपा के विरुद्ध राजनीतिक अस्पृश्यता चरम पर थी, तब जॉर्ज फर्नांडीज के नेतृत्व वाली समता पार्टी ने प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी के समर्थन का जोखिम लिया था। उसी समता पार्टी का नया नामकरण जनता दल यूनाइटेड हुआ।

इस लिहाज से जद–यू भाजपा के सबसे पुराने राजनीतिक मित्रों में से है, लेकिन नीतीश कुमार के 2 बार अलगाव के समय दोनों ही दलों ने एक–दूसरे के प्रति जिस गलत शब्दावली का इस्तेमाल किया, वह तो सामान्य व्यवहार में भी उचित नहीं मानी जाती, लेकिन बदलती राजनीतिक जरूरतों के बीच बार–बार रिश्ते भी निरुसंकोच बदलते रहे। जद–यू को कमजोर करने के आरोप भी भाजपा पर लगे। 2020 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन के बावजूद जद–यू के उम्मीदवारों को हराने के लिए चिराग पासवान की लोजपा के इस्तेमाल का आरोप खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लगाया।

विधानसभा में मात्र 43 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर फिसल कर जद–यू कमजोर हुआ भी। आर.सी.पी. सिंह प्रकरण को भी जद–यू को कमजोर करने की कवायद के रूप में देखा गया, पर हाल के लोकसभा चुनावों से कुछ ही पहले फिर जद–यू और भाजपा फिर दोस्त बन गए। बाल ठाकरे की शिवसेना भी भाजपा के पुराने मित्रों में रही। महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा, शिवसेना के सहारे ही आगे बढ़ी। भाजपा जूनियर पार्टनर थी, इसलिए जनादेश मिलने पर मुख्यमंत्री पद शिवसेना को मिलता रहा और भाजपा को उप–मुख्यमंत्री पद। बाल ठाकरे के निधन के बाद भी शिवसेना से भाजपा का गठबंधन तो बना रहा, पर महत्वाकांक्षाएं बढ़ गईं जिनका परिणाम 2019 में अलगाव के रूप में आया।

उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि चुनाव से पहले अढ़ाई–अढ़ाई साल के मुख्यमंत्रित्वकाल पर समझौता हुआ था, लेकिन भाजपा ने उससे साफ इंकार कर दिया। शरद पवार के तो ठाकरे परिवार से पुराने रिश्ते हैं, पर भाजपा से रिश्तों में आई तल्खी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उद्धव ने उस कांग्रेस से भी हाथ मिला लिया, जिसके विरुद्ध बाल ठाकरे ने शिवसेना बनाई थी। तल्खी एकतरफा नहीं थी। जो भाजपा उद्धव को अढ़ाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद देने को तैयार नहीं हुई, उसी ने शिवसेना तोड़ कर बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया।

सीएम योगी ने बाढ़ पीड़ितों से की मुलाकात, अफसरों को निर्देश- पूरी तैयारी रखें, कोई भूखा न रहे

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में आई बाढ़ व कटान का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार जमुनहा पहुंचे। जहां राप्ती बैराज स्थित गेस्ट हाउस में छह व सात जुलाई की रात रेस्क्यू कर बचाई गई रेखा देवी व फ्लड पीएसी के जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही बाढ़ में डूबे चार परिवारों को राहत चेक व बाढ़ प्रभावितों को बाढ़ राहत किट प्रदान किया। इस दौरान मोटर बोट से नदी के दूसरे तरफ जाकर बाढ़ प्रभावितों से मिल कर उनका हाल भी जाना। जमुनहा गेस्ट हाउस पहुंचे मुख्यमंत्री ने छह व सात जुलाई की रात भरथापुर के निकट परवल के खेत की रखवाली करने गई किशोरियां व महिलाओं सहित 11 लोग राप्ती के बाढ़ में घिर गए थे। इस दौरान मोबाइल से प्रशासन से संपर्क कर सभी को सुरक्षित निकालने में सहयोग करने वाली रेखा देवी, पथ प्रदर्शक राम उजागर, फ्लड पीएसी के सोनू कुमार, अमरेश कुमार सरोज, शुभम सिंह, सतीश कुमार व मनोज कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही इन्हें बाद में अलग से सम्मानित करने व जिनके पास आवास नहीं है उन्हें आवास देने की बात कही।

इस दौरान बाढ़ के पानी में डूबे केवटन पुरवा निवासी लालजी पुत्र डेवा व चेतराम पुत्र फकीर तथा नौखान में डूबी सेहनिया निवासी शाहजहां पुत्री अकबर व जैनब उर्फ निबरी पुत्री मोहर अली के परिजनों को चार चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इसके साथ ही शिकारी चौड़ा के बुद्धी, भोला, हरिहरपुर कानपुर पिपरहवा कोठी के छेदू व महंगू, वीरपुर लौकिहा के नादिर व जगदीश प्रसाद, जोगिया के राजेंद्र प्रसाद, रीता देवी, रामदयाल व शांति देवी सहित 100 बाढ़ पीड़ितों को राहत किट प्रदान किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में 33 तहसील, 633 गांव व 17 लाख 97 हजार आबादी बाढ़ की चपेट में आई है। जहां 18 हजार से अधिक पशु व एक लाख 45 हजार हेक्टेअर कृषि भूमि अचानक जलप्लावन के कारण प्रभावित हुई है। सभी गांवों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी व स्थानीय स्तर पर नौकाओं की व्यवस्था की गई है। 1033 बाढ़ चौकी स्थापित कर वहां बाढ़ पीड़ितों को रखा जा रहा है। जिनके घर में पानी भर गया है। उन्हें रेस्क्यू करने की व्यवस्था की गई है। श्रावस्ती में 116 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जहां पंद्रह गांवों में कटान हुई है। 76 हजार आबादी व 23500 हेक्टेअर कृषि भूमि प्रभावित है। बचाव राहत के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व फ्लड पीएसी के साथ नाव आदि की व्यवस्था की गई है। जिले में चार जनहानि हुई है। पहले से व्यवस्था थी जो भी गांव व व्यक्ति बाढ़ की चपेट में आए हैं। उनके लिए राहत पैकेट की व्यवस्था है। सरकार ने आपदा राहत निधि से इसके लिए पहले ही व्यवस्था बना रखा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस बार भारी तैयारी होनी चाहिए ताकि कोई भूखा प्यासा न रहे। बाढ़ व कटान प्रभावित गांव में सर्पदंश व जानवरों के काटने की घटनाएं हो सकती है। इसके लिए सभी सीएचसी में एंटी स्नेक वेनम व एंटी रैबीज उपलब्ध कराने को कहा गया है। सरकार ऐसी स्थिति में तत्परता से कार्य कर रही है। हमने उन परिवारों से भी मुलाकात किया जो सात व आठ जुलाई की रात बाढ़ में फंस गए थे। इस दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडे, एमएलसी डा. प्रज्ञा त्रिपाठी, पदमसेन चौधरी, डीएम अजय कुमार द्विवेदी, एसपी घनश्याम चौरसिया सहित पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

स्कूल की मान्यता और संसाधनों की होगी जांच, कमेटी गठित

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा में संचालित एक निजी स्कूल की मान्यता और उपलब्ध संसाधनों की जांच होगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जांच कमेटी गठित की है। बुधवार को बच्चों को स्कूल ले जाते समय बस परसामलिक के पास पलट गई थी, जिसमें बच्चों को चोट आई थी। बृहस्पतिवार को अभिभावकों ने स्कूल के खिलाफ डीएम, एसपी व बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

नौतनवा में एक अंग्रेजी मीडियम का स्कूल कक्षा एक से पांच व छह से 10 तक अलग–अलग स्थानों पर संचालित है। बुधवार को सुबह सात बजे गंगवलिया, करौता, चुड़िहारी, गंगापुर, पिपरवास के बच्चों को लेकर बस स्कूल पहुंचाने जा रही थी। स्टेयरिंग फेल होने के कारण बस के नीचे से जमीन ही खिसक गई है। कहीं–कहीं सड़क का ऊपरी हिस्सा लटक रहा है तो कई जगह घुटने तक गड्ढे बन गए हैं। बक्शीपुरा डीजल पावर हाउस से लेकर आसाम रोड हाईवे तक लगभग दो किलोमीटर जर्जर सड़क मानसून शुरू होने से कुछ दिन पहले ही बनाई गई थी। सुबह उठे लोग बदली सड़क की तस्वीर देखकर आश्चर्यचकित हुए थे। घनघोर बारिश में कई जगह सड़क से गिट्टियां गायब हो चुकी हैं, तो इस कदर गड्ढा हुआ कि जरा सी चूक बड़े हादसे की वजह बन सकती है। यह तो सिर्फ बानगी है शहरी क्षेत्र में मोहल्लों के अंदर जिधर नजर दौड़ाइए इससे बदतर सड़कों की तस्वीर नजर आएगी। करोड़ों रुपये खर्च करने बाद बारिश के पानी में उभरे गड्ढे न केवल गुणवत्ता की पोल खोल रहे हैं, बल्कि कार्यालय में बैठकर रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारियों की कारगुजारी को भी दर्शा रहे हैं।

पट्टा के लिए वसूली करने का आरोप

संवाददाता–गोण्डा। भूमि का पट्टा देने के लिए लाखों रुपये की धनराशि लेने के बाद भी पट्टा न करने की शिकायत आयुक्त देवीपाटन मंडल से की गई है। मनकापुर तहसील के ग्राम शुक्लपुर की मुन्नी देवी पत्नी स्वर्गीय देवी प्रसाद का आरोप है कि लेखपाल ने अपने तैनाती के दौरान झूठ बोलकर कृषि पट्टा आवंदन करने के नाम पर छोटी छोटी किस्तों में एक लाख तिरसठ हजार रुपये ले लिये। विगत तीन वर्षों से सिर्फ कोरा आश्वासन देते रहे। उनका उस गांव से स्थानान्तरण भी हो गया। आरोप है रुपये मांगने गयी तो लेखपाल व उनके बेटे ने गाली देकर भगा दिया ,धमकी भी दी।

समूह कर्ज से परेशान अधेड़ ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता–महराजगंज। कोतवाली क्षेत्र के ग्रामजारा में एक व्यक्ति ने समूह के कर्ज से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। लोगों के अनुसार, गौरी शंकर यादव (53) ने समूह कर्ज लिया था। जिसे वह चुकाने में असमर्थ थे। गौरी शंकर अपनी पत्नी सुमागी यादव के साथ अकेले रहते थे। उनकी दो पुत्रियां थीं, जिनकी शादी हो चुकी है। बृहस्पतिवार की सुबह, जब सुमागी यादव की नींद खुली तो उन्होंने अपने पति को फंदे पर लटका देखा और शोर मचाना शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। ग्रामीणों ने बताया कि गौरी शंकर कर्ज के कारण मानसिक तनाव में थे। कोतवाल सोनौली अंकित सिंह ने बताया कि प्रथम सूचना पर केस दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं पत्नी ने समूह के कर्मचारियों पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

बारिश में सड़कों के नीचे से खिसकी जमीन, बन गई जानलेवा

संवाददाता–बहराइच। शहरी क्षेत्र में करोड़ों रुपये खर्च सड़कों के निर्माण, मरम्मत के दावों की पाल पांच दिनों की बारिश ने खोल दी है। बारिश थमने स मुश्किलें कम हुई तो सड़कों के गुणवत्ता विहीन सड़कों के गड्ढे उभर आए हैं, जो न केवल विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के लिए आईना बने हैं, बल्कि गड्ढों में फंसकर वाहन हादसों का शिकार तो हर समय हिचकोले खाकर आवागमन करने को शहर के लोग मजबूर हैं। मानसूनी बारिश में शहर से लेकर हाईवे तक की सड़कों की गुणवत्ता उजागर हुई है। करोड़ों रुपये खर्च कर सड़कें के भरे गए गड्ढे उभर आए हैं। इन गड्ढों में जगह–जगह जलभराव होने से हादसे बढ़ गए हैं। वाहन पलट रहे हैं, जान जोखिम में डालकर लोग आवागमन कर रहे हैं। मानसून के दस्तक देने से पहले शहरी क्षेत्र में कई सड़कों की मरम्मत कराई गई थी। ठेकेदारों की ओर से रातों–रात बनाई गई इन सड़कों के नीचे से जमीन ही खिसक गई है।

राजघाट स्थित द्वारकाधीश मंदिर में मनाया जा रहा है 15 वां वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणचार्य महाराज द्वारा राजघट परिक्रमा मार्ग पर स्थापित द्वारिकाधीश भगवान का 15 वां वार्षिकोत्सव बुधवार को मृत्तिकाहरण भूदेवी पूजन, श्री वाराह पूजन, सुत्रवती विश्वक्सेन आदि पूजन से प्रारम्भ हुआ जो 12 जुलाई को द्वारकाधीश भगवान के महा अभिषेक श्रृंगार और विशेष आरती पूजन के साथ समाप्त होगा। आज गुरुवार को पूजन के साथ शाम के सत्र में सुंदरकांड का पाठ भी संपन्न हुआ।श्री महाराज जी ने बताया कि आज से 15 वर्ष पूर्व द्वारकाधीश भगवान की स्थापना की गई थी और तभी से प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को पूजन अर्चन से प्रारंभ हुआ जो 12 जुलाई को समाप्त होगा।

उन्होंने बताया कि द्वारकाधीश भगवान सभी आपदाओं को हरण करते हैं जो भगवान के सच्चे मन से पूजा करता है निश्चित ही उसे उसका लाभ प्राप्त होता है जब भी इस पृथ्वी पर विचरण करने वाले किसी भी चराचर जीव मनुष्य पर विपत्ति पड़ी और उसने भगवान की आराधना की तो तत्क्षण भगवान उनकी सहायता के लिए पहुंचते हैं। महाभारत के समय सभी राजाओं के बीच जब द्रोपदी का चीर हरण होने लगा जैसे ही उसने द्वारिकाधीश भगवान को याद किया तत्क्षण वह उपस्थित होकर द्रोपदी की चीर को बढ़ा दिया और लाज बचाई तो द्वारिकाधीश भगवान हमेशा अपने भक्तों की लाज की रक्षा करते हैं इसलिए हम सभी भक्त गण बड़े भाव से श्रद्धा पूर्वक भगवान का वार्षिकोत्सव मनाते हैं और उनका पूजन अर्चन वैदिक विधि विधान से करते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को अभिषेक श्रृंगार के साथ बेहद भंडारे का आयोजन होगा जिसमें अयोध्या के संत महंत भक्तगण हजारों की संख्या में सम्मिलित होंगे भगवान का दर्शन पूजन करेंगे।

खतरे के निशान से नीचे पहुंची राप्ती, तेजी से शुरू हुआ कटान

संवाददाता–बलरामपुर। राप्ती नदी का जलस्तर गुरुवार को खतरे के निशान से 24 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। नदी के तटवर्ती के निचले सतह पर बसे लगभग दो दर्जन गांव के चारों ओर अभी भी बाढ़ पानी भरा हुआ है। जिला मुख्यालय के आस पास भी तमाम घर ऐसे हैं तो बाढ़ से घिरे हुए हैं। लोग अपना घर छोड़कर दूसरी जगह ठिकाना लिए हुए हैं। हॉलाकि गांव में घुसा पानी काफी हद तक कम हो रहा है। पानी निकलने के बाद गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। नदी का पानी कम होने से तटवर्ती गांवों में राप्ती तेजी से कटान शुरू कर दी है। वहीं नगर के श्याम बिहार कॉलोनी में पानी कम होने के बाद फैली गंदगी से लोगों का हाल बेहाल है। कालोनी में गंदगी व कीचड़ के चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा लोगों में बना है। जलस्तर कम होने के साथ ही नदी के तटवर्ती गांवों पर कटान का खतरा बढ़ गया है। राप्ती नदी के बाढ़ से जिले के लगभग 150 गांव प्रभावित हुए हैं। करीब चार दर्जन गांव के अंदर पानी घुसा था। जलस्तर कम होने से गांवों का पानी तो निकल गया लेकिन गंदगी के चलते गांवों में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गुरुवार शाम छह बजे तक नदी का जलस्तर 104.380 मीटर के साथ खतरे के निशान से 24 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया। जिन गांवों में लोगों के घरों में बाढ़ पानी घुस गया था वहां बाढ़ पानी निकल गया है। हॉलाकि नदी के तटवर्ती गांव के निचली सतह पर बसे गांव के किनारे अभी भी बाढ़ पानी भरा हुआ है। एक सप्ताह बाद खेतों से बाढ़ पानी निकलने के बाद एक हजार हेक्टेयर भूमि में लगी धान नर्सरी गलकर नष्ट हो गई। गन्ना फसल को भी आंशिक नुकसान पहुंचा है। कई सम्पर्क मार्ग बाढ़ पानी के बहाव से क्षतिग्रस्त हो गए कई कच्चे सम्पर्क मार्ग कट गए हैं। जिस कारण लोगों को आवागमन में भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नगर के श्याम बिहार कालोनी, पहलवारा व धुसाह गांव से बाढ़ पानी हटने के बाद यहां गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा बन गया है। मोहल्लावासियों ने नपाप प्रशासन से बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों में साफ–सफाई कराने के साथ कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने की मांग की है।

आनलाइन हाजिरी के विरोध में शिक्षकों ने बीएसए दफ्तर घेरा

संवाददाता–गोंडा। ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने गुरुवार को पंत नगर स्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। शिक्षकों ने दोपहर दो बजे के बाद कार्यालय पर धरना – प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। इस दौरान शिक्षकों ने बीएसए अतुल कुमार तिवारी को मांग पत्र भी सौंपा। ऑलाइन हाजिरी का आदेश वापस होने तक शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन करते रहने की चेतावनी दी है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनय तिवारी की अगुवाई में जिले के विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षकों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। बीएसए कार्यालय परिसर में सुबह से शिक्षकों का समूह आना शुरू हो गया था। दस बजे परिसर में एक बड़ा सा पंडाल बनाया गया। इसमें शिक्षकों के बैठने के लिए कालीन और गद्दे बिछाए गए। दोपहर दो बजे तक सैंकड़ों की संख्या में शिक्षक इकट्ठा होकर डिजिटल पंजिका का विरोध करने लगे।

शिक्षकों ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन शिक्षकों की पूर्व में विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए संगठन ने अनेक पत्र दिए हैं। इसमें शिक्षकों के कैशलेश चिकित्सा सुविधा, पुरानी पेंशन बहाली, अंतर्जनपदीय और अंतः जनपदीय स्थानांतरण, पदोन्नति, विद्यालयों में ग और घ कर्मियों की नियुक्ति की मांग पहले से लंबित है। इसके विपरीत शिक्षकों पर दबाव डालने के लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने शिक्षकों को डिजिटल पंजिका रजिस्टर पर हाजिरी लगाने के निर्देश दे दिए। इससे शिक्षकों का निजता मूल अधिकार का हनन होता है। कहा कि दूसरी तरफ सचिवालय कर्मचारी, राज्य कर्मचारी, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा सहित विभिन्न विभागों में उपस्थिति की अन्य प्रणाली लागू की गई है। जिला अध्यक्ष विनय तिवारी ने कहा कि शिक्षकों की विभिन्न मांगों को न मानते हुए परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों पर ऑनलाइन हाजिरी का डिजिटलीकरण करना शिक्षकों के साथ दोहरा मापदंड है। जिला मंत्री उमा शंकर सिंह ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों का डिजिटलीकरण करने से पहले अन्य मांगों का भी समाधान किया जाना चाहिए। धरने में विजय चौहान, आनंद देव सिंह, डॉ. अरुण सिंह, विपिन कुमार सिंह, रघुनाथ पांडे, डॉ. राजेश प्रताप सिंह, प्रतिभा सिंह, विश्वविजय नाथ पांडे, याकूब सिद्दीकी, गयालाल यादव, आनंद शुक्ला, भरत किशोर तिवारी, कन्हैया लाल मौर्या, देवकीनंदन शुक्ला, विनय सिंह, अवधेश मणी मिश्रा, अरुण कुमार शुक्ला, कुलदीप पाठक, बलवंत सिंह, राजेश कुमार शुक्ला, छाया सिंह, नरेंद्र कुमार सिंह, परसपुर विकास मंच के डॉ. अरुण सिंह सहित सैंकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए।

जिले में एक तरफ शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी का विरोध जता रहे हैं तो वहीं 36 विद्यालयों में आनलाइन हाजिरी लगाने की खबर है। जिले में 2177 विद्यालयों के डिजिटलीकरण के लिए टैबलेट और सिमकार्ड का वितरण किया गया है। डीजी स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के आदेश के बाद आठ जुलाई से ऑनलाइन हाजिरी लगाने के निर्देश में आठ जुलाई को 23 विद्यालयों और 9 जुलाई को 13 परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों ने डिजिटल पर काम किया है। डीसी ट्रेनिंग हरगोविंद ने बताया कि जिले में संचालित परिषदीय विद्यालयों में आठ को 23 विद्यालयों में और 9 जुलाई को 13 परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों ने शासन के निर्देश पर अपनी हाजिरी लगाकर 12 पंजिका रजिस्टरों पर काम पूरा किया है।

उतरौला विधायक ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

संवाददाता–बलरामपुर। राप्ती नदी की बाढ़ से घिरे उतरौला तहसील क्षेत्र के ग्राम रसूलाबाद में गुरुवार को विधायक राम प्रताप वर्मा द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत किट दिया गया। क्षेत्र के कई गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। यहां के बाढ़ पीडिड़तों को तात्कालिक राहत पहुंचाने के लिए उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, एसडीएम अवधेश कुमार व तहसील अधिकारियों के साथ पहुंचे थे। ग्राम रसूलाबाद समेत अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण। साथ ही बाढ़ पीड़ितों का हाल–चाल जाना।

बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत किट दिया गया। विधायक ने कहा कि बाढ़ से पीड़ित हर परिवार तक राहत किट पहुंचेगी। प्रभावित फसल का तहसील टीम द्वारा सर्वे कराकर मुआवजा दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावितों की हरसंभव मदद के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ा हूं। अधिकारियों को बचाव एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर संचालित करने का निर्देश भी दिया।

कुत्तों से सेंड बोआ को ग्रामीणों ने बचाया

संवाददाता–बहराइच। रुपईडीहा इलाके के शंकर पुर नहर से सेंडबोआ सांप निकल कर आबादी की तरफ जा रेंग रहा था। कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने सेंडबोआ सांप को बचा कर घने बाग में छोड़ दिया। रेंज अधिकारी पंकज साहू ने बताया की मौसम में नमी व सांपो के बिलों में जलभराव के चलते ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। क्योंकि भारी बारिश सरीसृपों को उनके प्राकृतिक आवास से विस्थापित कर देती है। जिससे उन्हें मानव आबादी वाले क्षेत्रों में आश्रय लेना पड़ता है। उन्होंने बताया कि ऐसे किसी भी जंतु के निकलने पर छेड़छाड़ न करें। तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

सुरसर मंदिर के महंत अवध राम शुक्ला ने फर्जी अधिकारी बनकर मंदिर कब्जे का लगाया आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में मठ मंदिरों के विवाद का पुराना नाता है और अयोध्या में नया घाट स्थित सुरसर मंदिर पहले से भी बात चर रहा है उसी में आज एक नया मामला संज्ञान में आया है। साकेतवासी डॉ निर्मल कुमार पाणिग्रही का शिष्य होने की नाते में महंत अवध राम शुक्ला ने बताया कि मंदिर के स्वामित्व को लेकर अखिल भारत जय गुरु संप्रदाय के साथ जिला एवं सत्र न्यायालय जनपद अयोध्या से लेकर माननीय उच्च न्यायालय तक चल रहे मुकदमों का मुख्य पक्षकार भी हूं और 29.06.2024 की देर शाम स्वयं को अखिल भारत जय गुरु संप्रदाय से वर्ष 2020 में ही निष्कासित कर दिए गए महंत विरागानंद के साथ षड्यंत्र करके स्वयं को खुफिया एजेंसी रॉ का एजेंट और भारतीय

जनता पार्टी का नेता बताने वाले देवदत्त माझी और कोलकाता निवासी आकाश जायसवाल के द्वारा दो संदिग्ध बाहरी व्यक्तियों को मंदिर में जबरन प्रवेश करा दिया गया।इन दोनों संदिग्ध व्यक्तियों ने अपना नाम श्री प्रकाश जायसवाल व भोला जायसवाल बताने के साथ ही खुद को खुफिया एजेंसी रा से संबंधित बताया।इस मामले में बेहद खास बात यह है कि इस संवेदनशील रामनगरी में जहां चप्पे चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध है और कई खुफिया एजेंसी सक्रिय है वहां मंदिर में जबरन घुसकर कमरों में कब्जा करने वाले इन दोनों संदिग्ध व्यक्तियों के पास अयोध्या जिले का निवासी तथा मंदिर प्रबंधन या अखिल भारत जय गुरु संप्रदाय से जुड़े होने का कोई प्रमाण तक नहीं है।इसके बावजूद भी ये दोनों संदिग्ध व्यक्ति जबरन मंदिर में जबरन घुस गए हैं और मंदिर कि कमरों में अवैध कब्जा कर लिया। उन्होंने बताया कि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या व क्षेत्राधिकारी अयोध्या से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तक से मिलकर इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत की गई और मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन अज्ञात तत्वों के दबाव में आज तक उन दोनों संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नही की गई।

मकान के अंदर दिखा कोबरा का झुंड, चूहे के बिल से निकले 100 से ज्यादा सांप के बच्चे

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के एक गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब घर से कोबरा और उसके बच्चे निकलने शुरू हो गए। घर के अंदर सांपों का डेरा देखकर घर वाले डरकर बाहर आ गए और वन विभाग को सूचना दी। जिले के एक गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब घर से कोबरा और उसके बच्चे निकलने शुरू हो गए। घर के अंदर सांपों का डेरा देखकर घर वाले डरकर बाहर आ गए और वन विभाग को सूचना दी। रात हो जाने के कारण वन विभाग की टीम नहीं पहुंची तो अगले दिन सपेरे को बुलाया गया। सपेरे ने कोबरा और उसके बच्चों को पकड़ना शुरू किया। सांपों की गिनती की तो वह 100 से ज्यादा निकले। दरअसल कोबरा सांप के बच्चे घर के अंदर बने एक चूहे के बिल के अंदर से मिले हैं। इतनी बड़ी संख्या में सांप के मिलने से ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और वीडियो बनाने लगे। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

थाना क्षेत्र के गांगरानी गांव निवासी एक व्यक्ति के घर में बुधवार की देर रात करीब 10 बजे चूहों के बिल से एक के बाद एक करके सौ से अधिक कोबरा के बच्चे निकले। जिसके बाद घर में भगदड़ मच गई और गुरुवार के दिन भी कोबरा सांप के बच्चों का बिल से निकाले जाने का सिलसिला जारी रहा। क्षेत्र के गांगरानी गांव निवासी फूलबदन निषाद बुधवार की रात खाना खाकर अपने पक्के मकान के एक कमरे में सोने गए। इसी दौरान प्रकाश की रोशनी में कमरे में लगे तख्ते के पाये के समीप एक सांप दिखाई दिखा। जिसके बाद शोर मचाते हुए वे कमरे से बाहर भाग खड़े हुए। शोर सुनकर आसपास के लोग भी उनके दरवाजे पर पहुंचे। किसी व्यक्ति ने हिम्मत जुटाकर कमरे में दिखे सांप को मारने की कोशिश की लेकिन वह वहां से कहीं खिसक गया। इसके कुछ ही देर बाद कमरे में चूहों द्वारा बनाए गए बिल से एक–एक कर कई कोब सांप निकलना शुरू हो गए। कोबरे के और बच्चे निकलने लगे। जिसको देख भगदड़ मच गई। इसके बाद ग्रामीणों ने देर रात वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। वन विभाग की टीम भी गांव में पहुंची लेकिन काफी रात होने के कारण वापस लौट गयी। गुरुवार को एक सपेरे को बुलाया गया। दिन में 2 बजे तक एक बड़े सर्प के साथ ही सौ कोबरा के बच्चे बिल से निकलते रहे। पकड़े गए एक बड़े सर्प और उनके सैकड़ों बच्चों को प्लास्टिक के डब्बे में रखकर सपेरा जंगल में छोड़ने के लिए लेकर चला गया। तब जाकर घर वालों ने राहत की सांस ली लेकिन अभी भी परिवार में भय का माहौल बना हुआ है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने सभासदों के खिलाफ मोर्चा खोला

संवाददाता–महराजगंज। नगर पालिका के कर्मचारियों और सभासदों की लड़ाई तूल पकड़ने लगी है। बुधवार को विवाद के बाद दो कर्मचारियों के खिलाफ 10 सभासदों के हस्ताक्षर युक्त तहरीर पुलिस को दी गई थी। वहीं बृहस्पतिवार को आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने भी सात सभासदों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

भासदों ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को निकाय कार्यालय में कर्मचारियों की निष्क्रियता को लेकर अधिशासी अधिकारी से शिकायत करने पहुंचे थे। निकाय बोर्ड की बैठक में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अनिल कुमार की सेवा बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध किया तो पंप अटेंडेंट अनिल कुमार व काजी हाउस मोहरिर मो. शकील ने कर्मचारियों को उकसा कर सभासदों को जान से मारने की नियत से लाठी–डंडा लेकर दौड़ा लिया।

हम लोगों ने ईओ के कार्यालय में खुद को बंद करके अपनी जान बचाई। घटना के दौरान अनिल गुप्ता व मो. शकील ने कर्मचारियों के साथ आकर सभासद आशीष कुमार उर्फ शिब्बू मल्ल, जितेंद्र वर्मा, रघुवर यादव एवं सभासद प्रतिनिधि विवेक सिंह, हासिम अंसारी, जितेंद्र सिंह से दुर्व्यवहार करने लगे। मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

वहीं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र कुमार और कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शकील अहमद आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन कर रहे थे। तभी सभासद व सभासद प्रतिनिधि विवेक सिंह, रघुवर यादव, हासिम अंसारी, सूरज पांडेय, जितेंद्र सिंह, राजन विश्वकर्मा, जितेंद्र वर्मा बाइक से कार्यालय पहुंचे और बिना कारण कुछ कर्मचारियों को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार करने लगे। महिला सफाई कर्मियों के खिलाफ भी अशोभनीय शब्द प्रयोग किए। इस मामले में प्रशासन से छानबीन कर कार्रवाई की मांग की।

प्रभारी निरीक्षक अखिलेश सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने तहरीर दी है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सूचना देने वालों को सम्मान, जवानों को प्रशस्ति पत्र

संवाददाता–श्रावस्ती। बाढ़ में फंसे 11 लोगों को चार घंटे की मशक्कत के बाद पीएसी जवानों ने सुरक्षित निकाल लिया था। घटना की सूचना देने वाली महिला समेत दो लोगों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। साथ ही पीएसी जवानों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। बाढ़ के दौरान छह जुलाई की रात जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर भरथा व केवटन पुरवा में 11 लोग फंस गए थे। पानी अधिक होने से लोगों के बाढ़ में बहने की संभावना बन गई थी। इस दौरान केवटन पुरवा निवासी रेखा देवी व राम उजागर ने फोन करके जिला प्रशासन को सूचित किया था। जिसके बाद डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया ने घटनास्थल पर पहुंच कर जायजा लिया और बचाव के लिए पीएसी टीम को लगा दिया। टीम में शामिल पीएसी जवान सोनू कुमार, अमरेश कुमार सरोज, शुभम सिंह, सतीश कुमार यादव व मनोज कुमार ने चार घंटे की मेहनत के बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकाला था। मुख्यमंत्री ने सूचना देने वाली महिला रेखा देवी व राम उजागर को सम्मानित किया। साथ ही 11 लोगों की जान बचाने वाली टीम के जवानों को प्रशस्ति पत्र दिया।

चार बच्चों की मां ने लगाई फांसी

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थानांतर्गत बुधवार देर रात ग्राम अमौठी में शाहजहां पत्नी आरिफ ने अज्ञात कारणों से घर के कमरे के छत की कुंडी में साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका का पति आरिफ मुंबई में काम करता है। घटना के समय मृतका की सास, देवर तथा देवरानी और उसके चार बच्चे घर पर ही मौजूद थे। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचायतनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जनपद रवाना कर दिया है तथा अन्य विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

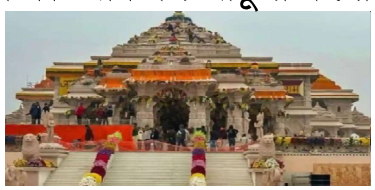

अयोध्या में बनेगा अनोखा वर्ल्ड रिकार्ड, दुनिया भर के 200 जादूगर रामलला का दर्शन कर जादू से फहराएंगे भगवा ध्वज

संवाददाता–अयोध्या। दुनिया भर के 200 जादूगर रामलला का दर्शन कर जादू से फहराएंगे भगवा ध्वज दुनिया भर के 200 जादूगर अयोध्या में वर्ल्ड रिकार्ड बनाएंगे। दो दिवसीय आयोजन 13 जुलाई से होगा। रामलला का दर्शन कर जादूगर श्रीरामजन्मभूमि परिसर में एक साथ जादू से ही भगवा ध्वज फहराएंगे।

सृष्टि के नियंता अद्भुत कला के जादूगर प्रभु श्रीराम के समक्ष दुनिया भर के जादूगर वर्ल्ड रिकार्ड के लिए यहां जुटेंगे। यह जादूगर 14 जुलाई रविवार को प्रातः श्रृंगार आरती में रामलला का दर्शन करेंगे। इसके उपरांत श्रीरामजन्म भूमि परिसर में ही अपनी जादुई कला से एक साथ भगवा ध्वज लहराकर वैश्विक कीर्तिमान बनाएंगे। जादूगरों के सामूहिक प्रयास को रिकार्ड करने के लिए मुम्बई से इंटरनेशनल टैलेंट बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड एवं जीनियस वर्ल्ड रिकार्ड के अधिकारियों की टीम भी यहां

मौजूद रहेंगी।

यह जानकारी तीन अलग–अलग विधाओं में वैश्विक कीर्तिमान बनाने वाले कार्यक्रम के संयोजक जादूगर कुमार उर्फ इंजीनियर कुलदीप मिश्र ने देते हुए बताया कि भारतीय मैजिक कला ट्रस्ट के तत्वावधान में अयोध्या में दो दिवसीय जादू समागम 2024 का आयोजन किया गया है। यह आयोजन 13 व 14 जुलाई को होगा।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन को लेकर राम संकल्पना ट्रस्ट के अध्यक्ष व बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज के माध्यम से चार महीने पहले पहल की गई थी। इस विषय में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय से बातचीत हो गई है। उन्होंने बताया कि जादू समागम में देश भर के सभी प्रतिष्ठित जादूगरों के अलावा श्रीलंका, बंगलादेश और नेपाल के भी जादूगर हिस्सा लेंगे। इनमें मुस्लिम जादूगर भी शामिल हैं।

भारतीय मैजिक कला ट्रस्ट के चेयरमैन डा. सुरेन्द्र प्रकाश गुप्ता व ट्रेजरार डा. वीके सम्राट एवं कार्यक्रमाध्यक्ष सुनील शर्मा ने संयुक्त रूप से आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि संगठन के शैक्षणिक सत्रों के अतिरिक्त शनिवार व रविवार की सायं छह बजे से मंत्रार्थ मंडपम वासुदेव घाट में जादू का ओपेन शो भी होगा। इस शो में चुनिंदा जादूगर अपनी कला के तिलिस्म से दर्शकों को चमत्कृत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के पीछे अंधविश्वासों को दूर कर सनातन संस्कृति के प्रति युवाओं को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की धरती से यह मांग भारत सरकार से की जाएगी कि जादू को ललित कला की विधा के रूप में पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह मनोरंजन की कला है, जिसके व्यावसायिक स्वरूप पर भी यहां सेमिनार में मंथन होगा। उन्होंने कहा कि इससे नये रोजगार का भी सृजन हो सकेगा।

ताजियादारों से पूछ रही पुलिस, कोई परेशानी तो नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में मुहर्रम का त्योहार सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस तैयारी में जुटी है। इस बार सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही ताजियादारों की समस्याओं की जानकारी ली जा रही है। जिले भर के ताजियादारों के मोबाइल नंबर पर पुलिस कंट्रोल रूम से काल करके संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा बीट पुलिस अधिकारी, हल्का दरोगा और थानेदार भी ताजियादारों के संपर्क में हैं। एसएसपी का कहना है कि त्योहार में किसी तरह की गड़बड़ी करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी।

जिले में कुल 1803 ताजिया स्थापित किए जाएंगे। इनका पूरा ब्यौरा पुलिस ने तैयार करा लिया है। संबंधित थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर चुकी है। इसके अलावा ताजियादारों के मोबाइल नंबर पर पुलिस कंट्रोल रूम से काल किया जा रहा है। ताजियादारों से संबंधित समस्याओं को जानकार उनको दूर करने के साथ ही सीओ प्रमाणित भी कर रहे हैं। ताजिया के जुलूस में कितनी फोर्स लगेगी? कहां पर कब ताजिया स्थापित किया जाएगा? इसमें कितनी भीड़ जुटेगी? सहित पूरा ब्यौरा भी तैयार किया गया है। इसके अलावा रूट की समस्या, बिजली के तारों की परेशानी सहित अन्य विवरण भी दर्ज किया जा रहा है।

डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी ने कहा कि ताजियादारों का वेरीफिकेशन कराया जा रहा है। पुलिस कंट्रोल रूम के अलावा थानों की पुलिस भी ताजियादारों को काल करके जानकारी ले रही है। त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

दो दुकानों में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के सूबा बाजार में बुधवार की देर रात करीब तीन बजे बिजली की शार्ट सर्किट से किराना की दो दुकानों में आग लग गई। आसपास के लोगों की नींद खुली तो लोगों ने शोर मचाया। इसकी सूचना दुकान मालिकों को दी। फायर ब्रिगेड को सूचना देकर आग बुझाने की कोशिश कर दी। आग लगने की जानकारी पाकर दमकलकर्मी पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से आग को काबू किया। मिली जानकारी के अनुसार सूबा बाजार में बुलबुल किराना स्टोर और जय मां लक्ष्मी किराना स्टोर है।

सास ने जूस के लिए 50 रुपये नहीं दिए तो दामाद ने रेत ली अपनी गर्दन

संवाददाता–गोरखपुर। जूस पीने के लिए सास ने 50 रुपये नहीं दिए तो बहराइच के रहने वाले सिरफिरे दामाद ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ब्लेड से अपनी गर्दन रेत ली। उसकी हालत गंभीर है। बीआरडी में ही उसे भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, बहराइच के देहात कोतवाली क्षेत्र के इमलिया बड़कापुरवा निवासी पप्पू यादव दिल्ली में मजदूरी करता है। चार वर्ष पहले चौरीचौरा के तरकुलहा की रहने वाली पूजा से उसने प्रेम विवाह किया था। इससे उसकी सास नाराज थी और तभी से दोनों में विवाद चल रहा था। सोमवार शाम पप्पू की पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। देर रात आपरेशन से बच्चा हुआ।

पप्पू का आरोप है कि पत्नी के उपचार के लिए वह दिल्ली से घर आया। रुपये का इंतजाम न होने पर खेत गिरवी रख पत्नी के पास पहुंचा और 9900 रुपये दिए। पत्नी ने ये रुपये अपनी मां को दे दिए। ऑपरेशन में खून की जरूरत होने पर बीआरडी में स्थित ब्लड बैंक के कर्मियों ने पप्पू का एक यूनिट खून निकाला और जूस पीने की सलाह दी। जूस पीने के लिए पप्पू ने सास से 50 रुपये मांगे तो देने से इंकार कर दिया।

इससे वह नाराज हो गया और मेडिकल कॉलेज के बाहर दुकान से ब्लेड खरीद कर वार्ड नंबर एक में भर्ती पत्नी, बच्चों व सास के सामने पहुंचा और ताबड़तोड़ हाथ, गले व चेहरे पर ब्लेड से हमला कर लिया। वार्ड में तैनात गार्ड ने युवक का हाथ पकड़ कर ब्लेड छीना और मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने युवक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

सावन 22 जुलाई से, पहले व अंतिम दिन के साथ मिलेंगे पांच सोमवार

संवाददाता–गोरखपुर। भगवान शिव का महीना माने जाने वाले सावन की शुरुआत 22 जुलाई दिन सोमवार से हो रही है। इसका समापन 19 अगस्त को होगा, इस दिन भी सोमवार है। इस माह में पांच सोमवार पड़ेंगे।

ज्योतिषाचार्य पं. शरदचंद्र मिश्र व पं. नरेंद्र उपाध्याय के अनुसार सावन इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग में प्रारंभ हो रहा है। ऐसा संयोग 72 वर्ष के बाद बना है। इस योग में पूजन–अर्चन, रुद्राभिषेक व व्रत का कई गुणा फल प्राप्त होता है। पं. शरदचंद्र मिश्र व पं. नरेंद्र उपाध्याय का कहना है कि सर्वार्थ सिद्धि योग शुभता का प्रतीक है। भगवान शिव अकेले ऐसे देवता हैं जिनमें काल को टालने की क्षमता है और उनकी प्रसन्नता से मनपसंद वर के साथ विवाह होता है। इन दो कामनाओं को पूरा करने के लिए शिव जाने जाते हैं। सावन में उनकी पूजा का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि सावन माह में समुद्र मंथन के समय समुद्र से कालकूट नामक विष पैदा हुआ, जिससे समस्त जीवों के अस्तित्व पर संकट आ गया था। भगवान विष्णु के सुझाव पर समस्त देवगण भगवान शिव के पास जाकर प्रार्थना किए। संसार और जीवों के कल्याण के लिए उन्होंने उस विष का भक्षण कर लिया। वह उनके गले तक पहुंचते ही सूख गया। उनका कंठ नीला हो गया। इसलिए नीलकंठ के नाम से प्रसिद्ध हुए। लेकिन वे विष ताप के आगोश में थे। देवगणों ने विष ताप की शांति के लिए उनका जलाभिषेक किया। तभी से सावन में भगवान शिव को जलाभिषेक करने की परंपरा चली आ रही है। इस माह में व्रत, उपवास व पूजा–अर्चना का विशेष फल प्राप्त होता है। सर्वार्थ सिद्धि योग इसे और शुभ बनाएगा।

बाढ़ के संकट से जूझ रहे स्कूली बच्चे, खतरे से अंजान डरे–सहमे ये मासूम नाव से जाते हैं स्कूल

संवाददाता–गोरखपुर। नौसढ़ के पास बहरामपुर गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। गांव के ही कुछ बच्चे ड्रेस में शेरगढ़ प्राथमिक स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर जाने के लिए निकले। स्कूल से घर जाने की राह में चार फीट तक पानी लगा था। बगल में एक नाव भी थी। बच्चे नाव में बैठे को हिलने लगी। अर्चना और अनन्या घबरा गई, लेकिन कक्षा 5 की छात्रा अनुष्का ने उन्हें पकड़कर सहज किया। बोला–डरो मत यहां पानी कम है और नाविक अंकल भी है। नाविक ने नाव को आगे बढ़ाया तो बच्चे डरे–सहमे बैठकर रवाना हुए।

कुछ ऐसा ही दृश्य बाढ़ से घिरे गांव बहरामपुर का, जहां राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद गांव के शेरगढ़ और बहरामपुर टोले के 50 से अधिक घर पानी से घिर गए हैं। बीते तीन दिनों से यहां जान जोखिम में डालकर नाव पर बैठे छोटे–छोटे बच्चे प्राथमिक विद्यालय शेरगढ़ में पढ़ने जा रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय शेरगढ़ की छुट्टी होने के बाद अर्चना, अनन्या, संगम, सूचित, रिहान, आदित्य, राज और मीनाक्षी नाव से ही घर जा रहे थे। सभी बच्चे नाव में बैठ गए तो कक्षा 5 की छात्रा अनुष्का ने सूखे बांस को हाथ में ले लिया और नाव को खेने लगी।

हालांकि कुछ देर बाद ही नाविक ने उससे यह जिम्मेदारी ले ली और बच्चों को मंजिल तक पहुंचा दिया। शिक्षामित्र ईश्वर ने बताया कि बच्चे आज तीसरे दिन नाव से आए और गए हैं। इसी तरह बर्डघाट से बहरामपुर प्राथमिक विद्यालय की सड़क पर भी दोपहर बाद से पानी जाने लगा। घरों में पानी घुसने के कारण लोग अब बंधे पर बांस लगाकर अपने लिए अस्थाई आवास बना रहे हैं। नौसढ़ पुलिस चौकी से बहरामपुर में जाने वाली सड़क के बायीं ओर पानी भर गया है। चाय की एक दुकान पानी से घिरे होने के बाद भी खुली थी और कुछ ग्राहक भी थे। जबकि उससे आगे कम ऊंचाई पर स्थित एक दुकान में करीब 2 फीट तक पानी लगा हुआ था। बहरामपुर दक्षिणी से उत्तरी की ओर जाने वाली सड़क पर भी पानी चढ़ गया था।

कुछ दिन पहले हर्निया का ऑपरेशन कराने के बाद भी राम सहाय राप्ती नदी के तट पर स्थित बांध पर सूखे बांस की छंटाई कर रहे थे। पूछने पर बताया कि बाढ़ पानी घरों में घुस रहा है ऐसे में आराम कैसे कर सकता हूं। राम सहाय करीब 10 चौड़ी और 15 फीट लंबी झोपड़ी बना रहे थे। पास में ही शिवकलेश व बजरंगी सहित करीब 8–10 परिवार झोपड़ी की मरम्मत कर रहे थे। बांध पर लोग जानवरों को भी लेकर आ गए हैं। शिवकलेश के पास तीन गायें हैं वह सभी को बांध पर ही लेकर आ गए हैं। सदर एसडीएम मृणाली अविनाश जोशी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से शेरगढ़ प्राथमिक विद्यालय में जलभराव इलाकों से पढ़ने के लिए आने वाले बच्चों की छुट्टी करने का निर्देश दिया गया है। शेरगढ़ और बहरामपुर के लिए दो नाव मंगाई गई है। शेरगढ़ और बहरामपुर में पहले से ही एक–एक निजी नाव चल रही है। कंट्रोल रूम स्थापित करके नायब तहसीलदार तो नोडल बनाया गया है और दो लेखपाल भी तैनात किए गए हैं। सत्यम साहनी प्रतिनिधि बहरामपुर ग्राम प्रधान प्रशासन ने मुझसे प्रभावित लोगों की सूची मांगी है। गांव में अभी नाव की जरूरत है, इसकी जानकारी भी प्रशासन को दिया गया है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–55/2024

1. रेनू मौर्या उम्र करीब 29 वर्ष 2. सृष्टि मौर्या उम्र करीब 24 वर्ष 3. सुष्मा मौर्या उम्र करीब 20 वर्ष 4. अंशू मौर्या उम्र करीब 15 वर्ष पुत्रीगण स्व0 राम प्यारे मौर्य नावालिग संरक्षिका रेनू मौर्या सगी बड़ी बहन साकिनान मौजा परसोहिया तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ा तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 01–08–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 के 01 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर भी नहीं चलना पड़ेगा पैदल

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर जंक्शन के फुट ओवरब्रिज (एफओबी) और रूफ प्लाजा ही नहीं अब प्लेटफार्मों पर भी यात्रियों को पैदल नहीं चलना पड़ेगा। महिला, बुजुर्ग और विशेषकर बच्चों, दिव्यांगजनों व मरीजों का 1333.33 मीटर लंबे प्लेटफार्म पर एक से दूसरे छोर तक आवागमन आसान हो जाएगा। ट्रैवलेटर भी एस्केलेटर (स्वचालित सीढी) की तरह होता है। एस्केलेटर ऊपर चढ़ने के लिए उपयोग में लाया जाता है, जबकि ट्रैवलेटर समतल फर्श पर लगता है, जो यात्री को स्वचालित सीढी की तरह बिना पैदल चले गंतव्य तक पहुंचा देता है। मनमाफिक खरीदारी भी कर सकेंगे। निर्माण कार्य आरंभ हो गया है। शुरुआत में प्लेटफार्म नंबर एक पर बंद पड़े बीच वाले एफओबी के पास पश्चिम तरफ नया एफओबी बनेगा। रेलवे प्रशासन ने प्राथमिकता के आधार पर नया एफओबी बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्लेटफार्म एक स्थित मुख्य गेट पर बीच वाला एफओबी 16 सितंबर 2023 से ही बंद हैं। तीन साल में गोरखपुर जंक्शन का कायाकल्प हो जाएगा।

बदतर स्वास्थ्य सेवा पर डीएम नाराज, निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अपने निरीक्षण से जिले भर के महत्वपूर्ण संस्थाओं के कार्यों का जमीनी हकीकत देख रहे जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसंतपुर (बांसी) का औचक निरीक्षण किया। सुबह 8.45 पर अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी वहां के हालात देखकर असहज हो गए। रजिस्टरों का अवलोकन और प्रश्नों का दौर शुरू किया तो जिम्मेदार बगले झांकते नजर आए। कम प्रसव पर बुरी तरह भड़के जिलाधिकारी ने यहां पर सुरक्षित प्रसव कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अस्पताल को 24 घंटे संचालित करने का निर्देश देते हुए सीएमओ से मोबाइल के माध्यम से बातचीत किया। डाक्टरों के लेट लतीफी पर जमकर क्लास लेते हुए सुधार लाने की चेतावनी दी। इस दौरान फार्मेसी, एक्स रे, प्रसव केंद्र, वैक्सीन, शौचालय, कुष्ठ, लेबर रूम, बीआरएमओ, आवास आदि का निरीक्षण कर निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान 50 बेड के बने कोविड अस्पताल और लैब के मशीनों को देखते हुए सभी डाक्टर लैब टेक्नीशियन फार्मासिस्ट का नाम एवं दवाओं की सूची चस्पा करने का निर्देश दिया। स्थानीय लोगों ने डाक्टरों के न बैठने और बांसी में बैठकर कार्य करने की शिकायत किया। निरीक्षण के समय अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र चौधरी, डॉ. राज कुमार यादव, डॉ. निशांत, जीसी शुक्ल, जिनेंद्र तिवारी, मनोज मिश्र, वाईके द्विवेदी, अनिल कुमार, प्रीति सिंह, निशा, राम अवध के अलावा अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0 C 202317000000187

अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

बद्री प्रसाद

बनाम

सुनील कुमार आदि

1. सुनील कुमार पुत्र ओंकारनाथ 2. ओम प्रकाश 3. राम प्रकाश पुत्रगण बैजनाथ 4. राम सहाय पुत्र रामशंकर साकिनान ग्राम व तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 28 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 11 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

गली मुहल्लों में छुट्टा पशुओं का आतंक, नागरिकों की सांसत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज नगर पंचायत के हर गली मुहल्लों व विभिन्न मार्गों पर छुट्टा पशु दिन रात सड़क पर घूमते रहते है। इससे लोगों को आवागमन करते समय किसी अनहोनी का भय लगा रहता है। नगर के घनी आबादी वाले तेलियाना मुहल्ला में बीच सड़क में छुट्टा पशुओं का झुंड दिखा। जिससे आवागमन करने वाले लोगों को बच बचाव कर गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों ने कहा कि अक्सर ऐसी स्थिति की शिकायत जिम्मेदारों से किया गया लेकिन कोई सुधि लेने वाला नहीं है। डुमरियागंज तहसील मुख्यालय होने की वजह से क्षेत्रीय गांवों के लोगों का इटवा मार्ग, बांसी बैदोला मार्ग, बेवा बस्ती मार्ग, भड़रिया मार्ग के जरिए होता है। अक्सर देखा जाता है कि अमूमन सभी सड़कों के किनारे व बीच में कभी चार छह की संख्या में छुट्टा पशु एकजुट खड़े रहते है। इस स्थिति में वाहनों व पैदल आवागमन करने वाले को बच बचाव कर गुजरना पड़ता है। कभी कभी सांडो के चपेट में महिलाएं व बच्चे आकर चोटहिल हो जाते है। नगर पंचायत के गौरव, मगन, सुनील कुमार, विशाल अग्रहरि, इम्तियाज खान, आशीष श्रीवास्तव, जुबेर अहमद, राहुल आदि का कहना है कि सड़क पर घूमते बेसहारा पशुओं से काफी भय लगता है। क्योंकि भारी शरीर वाले सांड कब नाराज हो जाए और किसी भी को चपेट में लेकर घायल कर दें। कभी कभी आपस में लड़ते हुए कई राहगीरों को चोटहिल कर चुके है। इसी तरह गायों का झुंड चारा की तलाश करते हुए घूमता रहता है। जबकि ऐसे बेसहारा पशुओ के संरक्षण व रखरखाव के लिए स्थायी गोशाला शाहपुर बंधे से सटे बनाई गई है लेकिन शिकायत के बावजूद कोई जिम्मेदार इनको पकड़वाकर वहां पहुंचाने वाला नहीं है। जो अत्यंत चिंताजनक बात है। इस संबंध में एसडीएम संजीव कुमार दीक्षित ने कहा कि समय–समय पर बेसहारा पशुओं को ब्लाक व नगर पंचायत कार्यालय की बनी संयुक्त कर्मचारी टीम द्वारा पकड़वा कर गौशाला मे भेजा जाता है। संबंधित जिम्मेदारों को निर्देशित कर समस्या समाधान कराया जायेगा।

निजी तस्वीरों को वायरल कर महिला को धमका रहा सीआरपीएफ का जवान

संवाददाता–अयोध्या। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में तैनात एक सीआरपीएफ का जवान नगर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला की निजी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करके उसे धमका रहा है। महिला की तहरीर पर नगर कोतवाली में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। दर्ज एफआईआर में कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि सोशल मीडिया पर श्रीनगर में तैनात सीआरपीएफ के सिपाही मंसाराम यादव उससे जुड़े थे। बाद में गलत तरीके से उनकी निजी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करके उन्हें ब्लैकमेल करने लगे। पति से तलाक देने के लिए उन पर दबाव बनाने लगे। उनके मोबाइल फोन पर पैसे भेज कर हनी ट्रैप में फंसने की धमकी देने लगे। उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी फोन करके जान से मारने की धमकी कई बार दी गई। इससे वह और उनका परिवार भयभीत है। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडे ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करके जांच की जा रही है।

समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना आवश्यक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पिरामल फाउंडेशन का कदम काफी सराहनीय है। उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। प्रथम चरण में ग्राम प्रधान प्रभु दयाल यादव, स्वयंसेविका जरीना खातून समाज के लिए जो भी कार्य किए जा रहे हैं, वह सराहनीय है।

ये बातें जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा ने कही। वह विकास भवन के सभाकक्ष में पिरामल फाउंडेशन की ओर से मेरी कहानी मेरी जुबानी पर चर्चा सह सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला प्रबंधक अनंत कुमार ने स्वच्छता अभियान के तहत जरीना खातून को जिले का ब्रांडएम्बेस्डर बनाए जाने का आश्वासन दिया गया है। जिले में जब भी महावारी स्वच्छता दिवस का कार्यक्रम चलेगा उन्हें वहां बुलाया जाएगा। ग्राम प्रधान प्रभु दयाल यादव को हर संभव सहयोग किया जाएगा। पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम डायरेक्टर संजय सुमन ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वैसे लोग जो निरूस्वार्थ भाव से समाज का सेवा कर रहे हैं। उन्हें समाज के बीच लाएं और आम लोगों को बताए। पिरामल फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर संतोष कुमार सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र सिंह, योगेन्द्र मोहन, राखी कुमारी, मृणांल, देवेन्द्र सिंह, विनोद प्रजापति, ममता वर्मा, प्रियंका वर्मा, संभावती, प्रियंका चतुर्वेदी, मो. जिशान, दिनेश चौरसिया आदि उपस्थित थे।

जोगिया ब्लाक के करौंदा मसिना के प्रधान प्रभुदयाल यादव ने कहा कि बचपन से ही समाज सेवा करना पसंद था। सेवा के उददेश्य से और खुद की पहचान बनाने के लिए वर्ष 2012 में गांव वापस आ गए। वर्ष 2021 में प्रधान चुने जाने के बाद समाजसेवा का बेहतर अवसर मिला। उस्का ब्लाक के खुटुवा निवासी जरीना खातून ने कहा कि 14 साल की उम्र में पहली बार उन्हें महावारी आई थी, ये इतना घबरा गई थी कुछ समझ नहीं आ रहा था। इन्हें लगा कि गांव की अन्य लड़कियों को भी यह समस्या आती होगी उन्हे भी जागरूक करने की ठान ली और गांव की सभी लड़कियों को जागरूक करना शुरू किया। इस प्रकार लगभग तीन सौ किशोरियों और महिलाओं को महावारी स्वच्छता पर जागरूक करके पैड इस्तेमाल के लिए राजी कर लिया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0– 155/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

श्रीमती ज्ञानमती

बनाम

श्रीमती लक्ष्मी आदि

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी रामतौल 2. पिंकी देवी पत्नी अनिल कुमार 3. रामतौल पुत्र रामकरन 4. अनिल कुमार पुत्र रामकरन निवासीगण सिसवा बरूआर तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवदीगण प्रथम वर्ग

5. रामकरन पुत्र सुमेसर निवासी सिसवा बरूआर तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवदी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 01–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 11 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 98/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती

विवेक दूबे आदि

बनाम

प्रदीप कुमार आदि

1. प्रदीप कुमार पाण्डेय पुत्र गोपालचन्द्र पाण्डेय साकिन अमहट उर्फ बैरिहवा आवास विकास कालोनी (कटरा) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. हरिशंकर पुत्र स्व0 राम ललित साकिन अरइल ढीगर पट्टी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

शाम होते ही गायब हो रहा मोबाइल नेटवर्क

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कस्बा क्षेत्र एवं आस–पास के लोगों के लिए मोबाइल नेटवर्क सिरदर्द बन गया है। शाम होते ही मोबाइल से नेटवर्क गायब हो जा रहा है। नेटवर्क पकड़ने के लिए छतों पर या फिर कस्बे से बाहर जाना पड़ा रहा है। मोबाइल उपभोक्ता यश कसौधन, राजकुमार अग्रहरि, गोलू साहू बताते हैं कि कस्बे में नेटवर्क की समस्या वर्षों की है। इस संदर्भ में कई बार जनप्रतिनिधियों का ध्यान भी नहीं जाता है। वर्तमान समय में नेटवर्क का हाल यह है कि एक से दो प्वाइंट रह रहा है। फोन करने पर आवाज न तो ठीक से जा पाता है और न ही आ पाता है। जबकि कंपनियों में मोबाइल रिचार्ज के दाम बड़े स्तर पर बढ़ा दिए हैं। स्थानीय लोगों ने नेटवर्क की समस्या को बेहतर करने की मांग की है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com